पाठ- ध्वनि

4. अन्य महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर

पाठ - 1

☞**प्रश्न 1. कविता का शीर्षक *'ध्वनि'* इस शब्द से आप क्या समझते हैं?** **[Imp.]**

उत्तर–ध्वनि शब्द का अभिप्राय है 'आवाज़' इस कविता में ध्वनि शब्द अंतर्मन की पुकार हेतु प्रयोग किया गया है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. कवि ने प्रकृति के साथ किस प्रकार अपने जीवन का तादाम्य जोड़ा है?

उत्तर–प्रकृति में वसंत के आगमन से ही बदलाव आ जाता है। चारों ओर वसंत की आभा, सुषमा, सौंदर्य व आह्लाद की अनुभूति होती है। उसे ऐसा लगता है कि ऐसे में सभी फूल व कलियों को खुलकर खिलना होगा इसलिए वह अपने हाथों के कोमल स्पर्श से सभी का आलस्य व प्रमाद दूर भगाना चाहता है और अनंतकाल तक खिलते रहने के लिए प्रेरित करता है।

दूसरी ओर कवि के हृदय में भी अपने जीवन काल में कुछ कर दिखाने की इच्छा है। वह महसूस करता है कि उसके जीवन में भी वसंत का सुंदर आगमन हुआ है अर्थात् नई-नई चाह व नए उत्साह का संचार हुआ है। वह अभी उस अनंत से मिलन नहीं करना चाहता बल्कि अपने उद्देश्यपूर्ण कार्यों से वसंत की भाँति चारों ओर यश, कीर्ति और आनंद फैलाना चाहता है।

प्रश्न 3. क्या कविता का शीर्षक 'ध्वनि' सार्थक है? **[Imp.]**

उत्तर–कविता का शीर्षक 'ध्वनि' पूर्णतया सार्थक है क्योंकि यह ध्वनि कवि के अंतर्मन की अनुगूँज है जो अनंत में व्याप्त हो रही है। कवि को वसंत के आगमन पर पत्ते-पत्ते में; कण-कण में प्रकृति की सुंदरता, आभा और सुषमा दिखाई पड़ती है। वह इसे जीवंत रूप में देखना चाहता है और अपने कोमल स्पर्श से कलियों व फूलों के आलस्य व निंद्रा को मिटाकर अनंत काल तक खिलने हेतु प्रेरित करता है। वैसे ही कवि को भी यह आभास होता है कि वह भी अपने जीवन में वसंत की भाँति अपने कार्य करे, जिनकी कीर्ति व यश संपूर्ण संसार में फैल जाए। वह अभी अपने जीवन का अंत नहीं चाहता, वह तो सप्राण उस अनंत अर्थात् ईश्वर से मिलना चाहता है।

प्रश्न 4. इस कविता से हमें क्या संदेश मिलता है? **[Imp.]**

उत्तर–इस कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि जिस प्रकार वसंत ऋतु के आगमन से सारी सृष्टि खिलकर मनमोहक बन जाती है उसी प्रकार हमें भी अपने श्रेष्ठ कार्यों से समाज, राष्ट्र व विश्व को आभामय बनाना चाहिए। ऐसे कार्य करने चाहिए कि सभी हमारा यशगान करें।

5. बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

1. ध्वनि कविता में मुख्य रूप से क्या दर्शाया गया है?
   (क) प्रकृति स्वरूप
   (ख) अंतर्मन की आवाज़
   (ग) जीवन के प्रति सकारात्मक स्वरूप
   (घ) ईश्वरीय स्वरूप
2. 'वन में मृदुल वसंत' पंक्ति का आशय क्या है?
   (क) जीवन में आशा से परिपूर्ण सुंदर समय
   (ख) वसंत में वन का खिल जाना।
   (ग) चारों ओर हरियाली छा जाना।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।
3. कवि पुष्पों के आलस्य को क्यों समाप्त करना चाहता है?
   (क) वह उन्हें अपने हाथों से खिलाना चाहता है।
   (ख) वह उन्हें विमल, सुंदर और हर्षान्वित रूप में देखना चाहता है।
   (ग) वह अपने बगीचे को खिला हुआ देखना चाहता है।
   (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
4. कवि अपने जीवन का अंत क्यों नहीं चाहता?
   (क) वह ईश्वर से स्वयं मिलना चाहता है।
   (ख) वह अपने जीवन में बहुत से कार्य करना चाहता है।
   (ग) वह निरंतर प्रकृति को सँवारना चाहता है।
   (घ) दिए गए सभी।
5. आप अपने जीवन में अपने कार्यों को कैसे करना चाहते हैं?
   (क) आपके कार्यों की कीर्ति और यश चारों ओर फैले।
   (ख) सभी आपकी प्रशंसा करें।
   (ग) आप सदा कार्यरत रहें।
   (घ) आप नित दिन नए कार्य करें।

उत्तर– 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क)

Scanned with CamScanner